सं भो वि॰/एफ शि॰/140-86/38750.—चूंकि हरियाणा के राज्यशाल की राय है कि मैं शंकला इंजिनियरिंग वर्कस, 66/24, फरीदाबाद, के श्रीमक श्री विजेन्द्र सिंह, पुत्र श्री श्याम लाल, मार्फत श्री सुनेहरी लाल, लेंबर लीडर ग्रहिरवाड़ा, वह्लवगढ़ तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रीबोगिक विवाद है;

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, अब, भौधोगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुये हिरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी श्रिधिसूचना सं० 5415-3-श्रम/68/15254, दिनांक 20 जून, 1978, के साथ पढ़ते हुए अधिसूचना सं० 11495-जी-श्रम/57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958, द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्याबालय, फ़रीदाबाद, को विवादग्रस्त था उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्देष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित मामला है:—

क्या श्री विजेन्द्र सिंह की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?

सं मो वि./एफ बी ०/140-86/38757 - चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं० शंकला इन्जिनियरिंग वर्कस 66/24, परीदाबाद के श्रिमिक श्री जुगेन्द्र पिह, पुत्र श्री नेहपाल सिंह, मार्पत श्री सुनेहरी लाल लेवर लीडर, ग्रहिरवाड़ा वल्लबगढ़ तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इस में इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रौद्योगिक विवाद है;

ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इस लिये, अब, श्रीचोगिक विवाद अधिनियम 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं 5415-3-अम 68/15254, दिनांक 20 जून, 1978 के साथ पढ़ते हुए अधिसूचना सं 11495-जी-अम 57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित अम न्यायालय, फरीदाबाद को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायिनर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेत निर्दिष्ट करते हैं जोकि उक्त अबन्धकों तथा अमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत ग्रथवा संबंधित मामला है :---

क्या भी जुगेंद्र सिंह की सेवायों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ?यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं ग्रो॰ वि॰/एम.०डी॰/140-86/38764--चूं कि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं॰ शंकला इन्जिनियरिंग वर्कस 66/24, फ्रीदाबाद के श्रमिक श्री शन्ति स्वरूप, पुत्र श्री चरण सिंह, मार्फत श्री सुनेहरी लाल लेबर लीडर ग्रहिरवाड़ा बल्लवगई तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रीद्योगिक विवाद है;

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिये, श्रव, श्रीद्योगिक विवाद श्रिष्टित्यम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) हारा प्रदान की गई मित्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके हारा सरकारी श्रिष्टिस्चना सं 5415-3-श्रम/68/15254, दिनांक 20 जून, 1978 के साथ पढ़ते हुए श्रिष्टिस्चना सं 11495-जी-श्रम/57/11245, दिनांक 7 परवरी, 1958 हारा उक्त श्रिष्टियम की धारा 7 के श्रिष्टीन गठिस श्रम न्यायालय परीदाबाद को विवाद श्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायिन एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रिमिक के बीच या तो विवाद श्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत श्रयवा सम्बन्धित मामला है :—

क्या श्री शान्ति स्वरूप की सेवाश्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है '

सं बोविव /एफ व्हीव /गुड़गांव / 129-85 / 38804. -- चूकि हरियाणा के राज्यपाल की राष्ट्र है कि परिवर्शन का युक्त, हरियाणा, चण्ड़ीगढ़, 2. जनरल मनेजर हरियाणा रोड़केज सैन्ट्ल बाड़ी बिल्डिंग वर्षणाप, गुड़गांव, के श्रमिक श्री सतबीर सिंह, हैल्पर पुत्र श्री लाल सिंह, गांव डबोला डाकखाना जाटोला, जिला गुड़गांव तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इस वे वाद निविद्य नाम ने में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायिनर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिये, ग्रब, श्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधिसूचना सं० 5415-3-श्रम 68/15254, दिनांक 20 जून, 1978 के साथ पढ़ते हुए ग्रिधिसूचना सं० 11495-जी-श्रम 57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त ग्रिधिसूचना की धारा 7 के श्रधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायिनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेत् निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत श्रथवा सम्बन्धि त मामला है :—

क्या श्री सतबीर सिंह हैल्पर की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?